



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 55] सई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 20, 1971/पौष 30, 1892

No. 55] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 20, 1971/PAUSA 30, 1892

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

ORDERS

New Delhi, the 20th January 1971

S.O. 420.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Inter-State Corporations Act, 1957 (38 of 1957), the Central Government, after consulting the Government of the States of Gujarat and Maharashtra, hereby makes the following order to amend the Official Trustee, Bombay (Reorganisation) Order, 1963, namely:—

1. (1) This order may be called the Official Trustee, Bombay (Reorganisation) Amendment Order, 1971.

(2) It shall come into force at once.

2. In the Official Trustee, Bombay (Reorganisation) Order, 1963, in sub-paragraph (2) of paragraph 4, for the portion beginning with the words "and thereupon it shall vest" and ending with the words "under the Act", the following shall be substituted, namely:—

"and thereupon it shall vest in that other corporation as fully and effectually for the purposes of the Act, or of any other law as if it had been originally vested in it under the Act or such law".

[No. F.8/2/65-SR(R).]

गृह मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 20 जनवरी 1971

का० आ० 420.—अन्तर्राज्यिक निगम अधिनियम 4, 1957 (1957 का 38) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, गुजरात और महाराष्ट्र सरकारों से परामर्श करने के पश्चात् शासकीय न्यासी, मुम्बई (पुनर्गठन) आदेश, 1963 में संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित आदेश बनाती है अर्थात् :—

(1) यह आदेश शासकीय न्यासी, मुम्बई (पुनर्गठन) संशोधन आदेश, 1971 कहा जा सकेगा :

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा :

शासकीय न्यासी, मुम्बई (पुनर्गठन) आदेश, 1963 में पैरा 4 के उप-पैरा (2) में “और तब यह अधिनियम” शब्दों से आरम्भ होने वाले और “वह इस में मूलतः निहित थी” शब्दों के साथ अंत होने वाले भाग के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा ; अर्थात् :—

“और तब” वह अधिनियम के या किसी अन्य विधि के प्रयोजनों के लिए उस अन्य निगम में इस प्रकार पूर्ण रूप से और प्रभावकारी तौर पर निहित होगी मानों कि अधिनियम के या ऐसी विधि के अधीन वह इस में मूलतः निहित थी”

[सं० फा० 8/2/65-एस० आर० (आर)]

S.O. 421.—Whereas an application has been made to the Central Government within the period specified in sub-paragraph (2) of the paragraph 4 of the Official Trustee, Bombay (Reorganisation) Order, 1963, by the Official Trustee, Gujarat State, for the transfer to it of all the properties subject to the Trust Fund specified in the Schedule annexed hereto and which now vests in the Official Trustee, Maharashtra State;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-paragraph (2) of paragraph 4 of the Official Trustee, Bombay (Reorganisation) Order, 1963, the Central Government directs that the whole of the aforesaid properties shall, as from the 1st day of February, 1971, cease to be vested in the Official Trustee, Maharashtra State and be vested in the Official Trustee, Gujarat State.

THE SCHEDULE

The Trust Fund administered or held under the Royal Family (Baroda) Trust Fund (Repealing) Act, 1956 (Bombay Act No. 4 of 1957).

[No. F. 8/2/65-SR(R).]

K. R. PRABHU, Jt. Secy.

का० आ० 421.—यतः शासकीय न्यासी गुजरात राज्य द्वारा शासकीय न्यासी मुम्बई (पुनर्गठन) आदेश, 1963 के पैरा 4 के उप-पैरा (2) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर केन्द्रीय सरकार को इस से उपावृत्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट सभी सम्पत्ति जो न्यास विधि के अधीन है और जो अब शासकीय न्यासी महाराष्ट्र राज्य में निहित है को अपने को अंतरित करने के लिए आवेदन दिया गया है ;

अतः अब, शासकीय न्यासी, मुम्बई (पुनर्गठन) आदेश, 1963 के पैरा 4 के उप-पैरा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेश देती है कि उपरोक्त सम्पत्ति

फरवरी, 1971 के प्रथम दिन से शासकीय न्यासी महाराष्ट्र राज्य में निहित नहीं रहेगी और शासकीय न्यासी गुजरात राज्य में निहित होगी।

अनुसूची

राज्य परिवार (बड़ौदा) न्यास निधि (निरसन) अधिनियम, 1956 (1957 का मुम्बई अधिनियम सं० 4) के अधीन प्रशासक अथवा भारित न्यास निधि।

[सं० फा० ३/2/65-एस० आर० (आर)]

के० आर० प्रभु, संबन्धित सचिव।

